ECONSPEAK: A Journal of Advances in Management IT & Social Sciences,
Vol. 14, Issue 9, September 2024 Impact Factor 8.059 ISSN: (2231-4571)
www.skirec.org Email Id: skirec.org@gmail.com

विद्यार्थियों और सहकर्मी में मेटाकॉग्निटिव जागरूकता के बीच संबंध अध्ययन

शोधार्थी – शर्मीला

शोध पर्यवेक्षक – डॉ. वंदना श्रीवास्तव, सहायक आचार्य

सार

ज्ञान के आधुनिक युग में विकास और लाभ के साथ, हमारी प्राचीन परीक्षा–उन्मुख शिक्षा नई स्थिति को पूरा नहीं कर सकती है, इसलिए हमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लागू करने की आवश्यकता है। आज की आधुनिक शिक्षा केवल छात्रों की शिक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के सर्वांगीण विकास पर बल देते हुए उनकी शिक्षा की व्यापक गुणवत्ता पर अधिक ध्यान देती है। छात्रों के समग्र विकास में तेजी लाने के लिए आधुनिक शिक्षा में उपयोग की जाने वाली कुछ विधियाँ मेटा कॉग्निशन और पीयर लर्निंग हैं। अपने स्वयं के शिक्षण से सीखनारू कैसे मेटाकॉग्निटिव और मेटा–एफ़ेक्टिव रिफ्लेक्शन रेस–संबंधित पाठ्यक्रमों में सीखने को बढ़ाते हैं। सहकर्मी शिक्षण छात्रों द्वारा एक–दूसरे के साथ और एक–दूसरे से सीखने की प्रक्रिया है। इसे आमतौर पर छात्र–नेतृत्व वाली कार्यशालाओं, अध्ययन समूहों, सहकर्मी–से–सहकर्मी सीखने की साझेदारी और समूह कार्य जैसी शिक्षण और सीखने की गतिविधियों के माध्यम से सुविधाजनक बनाया जाता है। कुछ लाभों में शामिल हैं, छात्रों के सहयोग और संचार कौशल का विकास, छात्रों के आत्मविश्वास में वृद्धि और अपने स्वयं के सीखने पर नियंत्रण रखने की क्षमता। छात्र अपने साथियों के साथ काम करने में अधिक सहज महसूस करते हैं, इसलिए शिक्षक के नेतृत्व की तुलना में बातचीत कर सकते हैं और प्रतिबिंब में पर्यावरण को संलग्न हो सकते हैं और विचारों को अधिक गहराई से खोज सकते हैं।

कुंजी शब्द *विद्यार्थियों , सहकर्मी , मेटाकॉग्निटिव , जागरूकता*

परिचय

आधुनिक शिक्षा पद्धति अतीत की शिक्षा पद्धति से भिन्न है। मेटा–कॉग्निशन हमारी अपनी सोच के बारे में सोचने की एक प्रक्रिया है। इसमें स्वयं के बारे में जानना शामिल है। यह एक महत्वपूर्ण कौशल है जो एक व्यक्ति हासिल करता है, जो जीवन भर मदद करता है। ये

कौशल जानकारी को संसाधित करने और इसके माध्यम से अनुभव प्राप्त करने में मदद करते हैं।

आज, आधुनिक समाज तेजी से विकसित हो रहा है, सूचना प्रसार की गति और अधिक आश्चर्यजनक होती जा रही है।

आधुनिक युग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विकास साथ लाभ

ज्ञान के आधुनिक युग में विकास और लाभ के साथ, हमारी प्राचीन परीक्षा–उन्मुख शिक्षा नई स्थिति को पूरा नहीं कर सकती है, इसलिए हमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लागू करने की आवश्यकता है। आज की आधुनिक शिक्षा केवल छात्रों की शिक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के सर्वांगीण विकास पर बल देते हुए उनकी शिक्षा की व्यापक गुणवत्ता पर अधिक ध्यान देती है। छात्रों के समग्र विकास में तेजी लाने के लिए आधुनिक शिक्षा में उपयोग की जाने वाली कुछ विधियाँ मेटा कॉग्निशन और पीयर लर्निंग हैं। अपने स्वयं के शिक्षण से सीखना कैसे मेटाकॉग्निटिव और मेटा–एफ़ेक्टिव रिफ्लेक्शन रेस–संबंधित पाठ्यक्रमों में सीखने को बढ़ाते हैं मेटाकॉग्निशन किसी की अपनी सोच और सीखने के बारे में सोचने की प्रक्रिया है। इसमें तब जानना शामिल है जब आप जानते हों, तब जानना जब आप नहीं जानते हों, और यह जानना कि जब आप नहीं जानते तो क्या करना है। दूसरे शब्दों में, इसमें स्व–निगरानी और अपनी स्वयं की सीखने की प्रक्रियाओं को सही करना शामिल है। उदाहरण के लिए, आप मेटाकॉग्निशन में संलग्न होते हैं यदि आप देखते हैं कि आपको अवधारणा बी की तुलना में अवधारणा ए को सीखने में अधिक परेशानी हो रही है, या यदि आपको पता चलता है कि किसी समस्या को हल करने के लिए आपका दृष्टिकोण काम नहीं कर रहा है, और आप एक अलग दृष्टिकोण का प्रयास करने का निर्णय लेते हैं। मेटाकॉग्निशन में स्वयं को एक शिक्षार्थी के रूप में जानना भी शामिल है; जो एक शिक्षार्थी के रूप में आपकी ताकत और कमजोरियों को जानता है। उदाहरण के लिए, यदि आप यह बता सकते हैं कि अकादमिक लेखन, या परीक्षा देने, या अन्य प्रकार के शैक्षणिक कार्यों में आपकी ताकत क्या है, तो आप मेटा–संज्ञानात्मक रूप से जागरूक हैं। मेटाकॉग्निटिव प्रक्रियाओं को सभी विषयों और संदर्भों

में सीखने और सोचने पर लागू किया जा सकता है। यह आजीवन सीखने के लिए एक आवश्यक कौशल है, और इसलिए, मेटाकॉग्निटिव कौशल को छात्रों के साथ सिखाया और चर्चा की जानी चाहिए।

सहकर्मी शिक्षण छात्रों द्वारा एक–दूसरे के साथ और एक–दूसरे से सीखने की प्रक्रिया है। इसे आमतौर पर छात्र–नेतृत्व वाली कार्यशालाओं, अध्ययन समूहों, सहकर्मी–से–सहकर्मी सीखने की साझेदारी और समूह कार्य जैसी शिक्षण और सीखने की गतिविधियों के माध्यम से सुविधाजनक बनाया जाता है।

कुछ लाभों में शामिल हैं, छात्रों के सहयोग और संचार कौशल का विकास, छात्रों के आत्मविश्वास में वृद्धि और अपने स्वयं के सीखने पर नियंत्रण रखने की क्षमता। छात्र अपने साथियों के साथ काम करने में अधिक सहज महसूस करते हैं, इसलिए शिक्षक के नेतृत्व की तुलना में बातचीत कर सकते हैं और प्रतिबिंब में पर्यावरण को संलग्न हो सकते हैं और विचारों को अधिक गहराई से खोज सकते हैं।

दोनों का संयोजन इसे और अधिक प्रभावी बनाता है और छात्रों को उनकी दक्षता को समझने और उसके अनुसार काम करने में मदद करता है, इस संयोजन ने सीखने की प्रक्रिया, मूल्यांकन, गतिविधियों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है और छात्रों द्वारा सक्रिय भागीदारी में वृद्धि की है और नवाचार लाए हैं जिससे वास्तविक जीवन के अनुभव और सीखने को बढ़ावा मिला है। केवल सीखने के अध्यायों को कम करना छात्रों के सीखने और मेटा–संज्ञानात्मक ज्ञान के लिए उपयोग की जाने वाली सहकर्मी शिक्षण पद्धति सीखने और छात्र के समग्र प्रदर्शन और विकास पर सकारात्मक प्रभाव दिखाती है।

नमूने में 15 से 30 वर्ष की आयु के विभिन्न आयु वर्ग के 105 लोग शामिल हैं। अपनाई गई पद्धति मानक सर्वेक्षण पद्धति है।

मुहम्मद अकरम उज्जमां (2018) इस अध्ययन का उद्देश्य किशोरों की भावनात्मक बुद्धि और भविष्य की आकांक्षा पर पारिवारिक माहौल और स्कूल के माहौल के प्रभाव की जांच करना है।

1000 किशोर (पुरुष = 500, महिला = 500) छात्रों से सर्वेक्षण डेटा एकत्र किया गया और उनकी भावनात्मक बुद्धि और भविष्य की आकांक्षा के बारे में विश्लेषण किया गया। प्रतिभागियों की औसत औसत आयु एम = 16.43 है और मानक विचलन 0.89 है। स्वतंत्र चर के रूप में लिंग, सामाजिक–आर्थिक स्थिति और परिवार के प्रकार का उपयोग करते हुए ड।छव्ट। में डेटा के प्रारंभिक विश्लेषण से पता चला कि यह केवल लिंग था जिसका महत्वपूर्ण ($F = 4.543$; $p < .05$), भावनात्मक बुद्धि के रैखिक संयोजन पर समग्र प्रभाव था। और भविष्य की आकांक्षा। लेकिन अविभाज्य परिणामों से पता चला कि भावनात्मक बुद्धि और भविष्य की आकांक्षा पर लिंग का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है। ड।छव्ट। में डेटा के मुख्य विश्लेषण में पारिवारिक माहौल और स्कूल के माहौल को भविष्यवक्ताओं के रूप में इस्तेमाल करते हुए और भावनात्मक बुद्धिमत्ता और भविष्य की आकांक्षा को मानदंड चर के रूप में प्रदर्शित किया गया कि समग्र प्रतिगमन मॉडल महत्वपूर्ण था ($F = 29.313$; $p < .001$), यह दर्शाता है कि पारिवारिक वातावरण और भावनात्मक बुद्धि और भविष्य की आकांक्षा के रैखिक संयोजन पर स्कूल के वातावरण का महत्वपूर्ण समग्र प्रभाव पड़ता है। अविभाज्य परिणामों ने प्रत्येक मानदंड चर पर भविष्यवक्ताओं ($F = 48.106$, $p < .001$; $F = 12.174$; $p < .001$) के महत्वपूर्ण मुख्य प्रभावों को दिखाया। पैरामीटर अनुमानों ने संकेत दिया कि पारिवारिक माहौल और स्कूल के माहौल दोनों का भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सिद्धांत, अनुसंधान और व्यवहार के लिए इन निष्कर्षों के निहितार्थ पर चर्चा की गई है।

कृष्ण गोपाल कंसल (2021) वर्तमान पेपर को माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उनके माता–पिता की भागीदारी के संबंध में कैरियर वरीयता का अध्ययन करने के व्यापक उद्देश्य के साथ लिया गया था। इस अध्ययन के लिए, पंजाब के मालवा क्षेत्र से 560 माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का नमूना यादृच्छिक रूप से लिया गया था। मल्टी–स्टेज क्लस्टर सैंपलिंग तकनीक का उपयोग करके मालवा क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों को चुना गया था। डेटा एकत्र करने के लिए अन्वेषक द्वारा विकसित कैरियर वरीयता सूची का उपयोग किया गया था। आँकड़ों का

विश्लेषण करने के लिए प्रतिशत सांख्यिकी तथा टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया। परिणाम बताते हैं कि माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शीर्ष तीन कैरियर प्राथमिकताएं रक्षा बल (20. 00%), शिक्षण और प्रशिक्षण (19.82%), और कानून प्रवर्तन और प्रशासनिक (11.25%) हैं। अध्ययन में पाया गया कि कानून प्रवर्तन और प्रशासनिक में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की कैरियर प्राथमिकताओं में उनके माता–पिता की भागीदारी के संबंध में महत्वपूर्ण अंतर है। यह सुझाव दिया जाता है कि प्रत्येक माता–पिता को अपने बच्चे को उपयुक्त पाठ्यक्रम चुनने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना चाहिए।

अध्ययन का उद्देश्य

1. विद्यार्थियों और सहकर्मी में मेटाकॉग्निटिव जागरूकता के बीच संबंध का पता लगाना।
2. उम्र बढ़ने के साथ साथियों और विद्यार्थियों के बीच संबंध का पता लगाना।

अनुसंधान विधि

कार्यप्रणाली

जांचकर्ताओं ने गूगल फॉर्म के जरिए 105 लोगों के बीच सर्वे किया। यह फॉर्म वर्चुअल माध्यम से लोगों तक पहुंचाया गया। उन्हें 25 प्रश्नों के एक सेट का उत्तर देना था। इसके बाद अंकों की गणना की गई। साथियों से संबंधित मेटा–संज्ञानात्मक जागरूकता में प्रत्येक व्यक्ति द्वारा प्राप्त अंकों की गणना सांख्यिकीय रूप से केंद्रीय प्रवृत्तियों (माध्य, माध्य, मोड) के तरीकों का उपयोग करके की गई थी और बाद में ची स्क्वायर परीक्षण का उपयोग करके संबंध स्थापित किया गया

Tool

उपयोग किया गया टूल एक स्व–तैयार प्रश्नावली है जिसमें 25 प्रश्न हैं

सांख्यिकीय तकनीकें

हमने सहकर्मी दबाव को एक स्वतंत्र चर और मेटा–अनुभूति को निर्भर चर माना

ECONSPEAK: A Journal of Advances in Management IT & Social Sciences,
Vol. 14, Issue 9, September 2024 Impact Factor 8.059 ISSN: (2231-4571)
www.skirec.org Email Id: skirec.org@gmail.com

डेटा विश्लेषण

Table 1 गणना

समूहों	सहकर्मी दबाव (पर्यवेक्षित मूल्य)	अपेक्षित मूल्यं	मेटा संज्ञान (अवलोकित मूल्य)	अपेक्षित मूल्य	कुल
दृढ़तापूर्वक सहमत	15	12.9	10	10.1	23
सहमत	20	22.4	20	17.6	14
तय नहीं है	15	12.9	8	10.1	23
असहमत	7	6.7	5	5.3	12
दृढ़तापूर्वक असहमत	4	3.9	3	3.1	7
कुल	59		46		105

अपेक्षित मूल्य (ई)

आरटी = कुल पंक्तियाँ

सीटी = कुल कॉलम

एन = कुल अवलोकन

$$E = \frac{RT \times CT}{N}$$

$$E11 = \frac{23 \times 59}{105} = 12.9$$

Table 2 गणना= χ^2

अवलोकित मूल्य(o)	अपेक्षित मूल्य (E)	(O–E)	$(O–E)^2$	$\frac{(O–E)^2}{E}$
13	12.9	0.01	0.0001	7.75
20	22.4	-2.4	5.76	0.25
15	12.9	2.1	4.41	0.34
7	6.7	0.3	0.09	0.013
4	3.9	0.1	0.01	0.002
10	10.1	-0.1	0.01	0.0009
20	17.6	2.4	5.76	0.32
8	10.1	-2.1	4.41	0.43
5	5.3	-0.3	0.09	0.016
3	3.1	-0.1	0.01	0.003
				= 9.1219

$$\chi^2 = \sum \frac{(O-E)^2}{E} = 9.1219$$

$\chi^2 = 9.1219$

आज़ादी की श्रेणी

$$\upsilon = (C-1)(R-1)$$

$= (2-1)(5-1)$

= 1 x 4

$\upsilon = 4$

महत्व का स्तर 0.05

$\chi^2_{0.05} = 9.488$ (सारणीबद्ध मूल्य)

पाई चार्ट वितरण

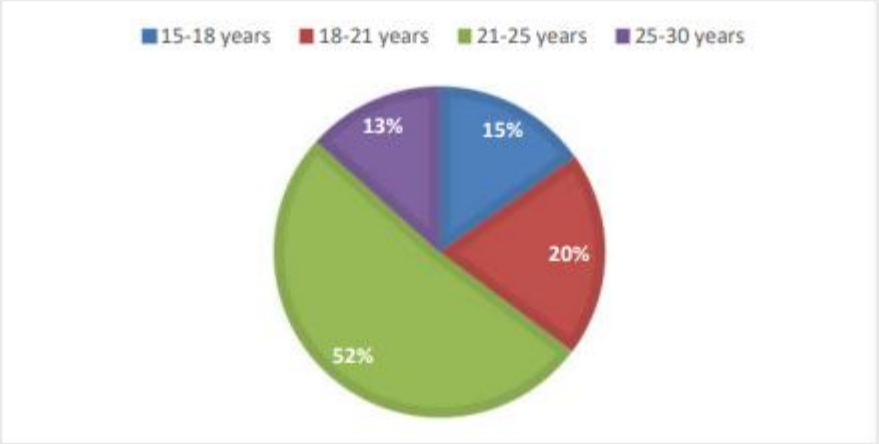

सारणीबद्ध मानों के साथ χ^2 का संबंध दर्शाने वाला ग्राफ़

χ^2 महत्वपूर्ण मूल्य / सारणीबद्ध मूल्य

$9.1219 < 9.488$

साथियों के दबाव और मेटा–कॉग्निशन के बीच एक सकारात्मक संबंध है। इसका मतलब यह है कि लोग निश्चित रूप से अपने साथियों से प्रभावित होते हैं और उनकी मेटा–संज्ञानात्मक जागरूकता उनके साथियों की बातचीत से संबंधित होती है। अनुसंधान मेटा–संज्ञानात्मक जागरूकता पर साथियों के प्रभाव की मात्रा का अनुमान नहीं लगाता है, बल्कि केवल दोनों के बीच एक संबंध स्थापित करता है। यह शोध किसी व्यक्ति के मेटा–संज्ञानात्मक पहलू को समझने के लिए महत्वपूर्ण है और यह सीधे तौर पर किसी की विचार प्रक्रिया से संबंधित है जो उनकी आत्म–प्रभावकारिता को प्रभावित करता है।

निष्कर्ष

कुल मिलाकर, मेटा–कॉग्निशन के साथ सहकर्मी दबाव का सकारात्मक संबंध है। मेटा–कॉग्निशन किसी की विचार प्रक्रिया के प्रति जागरूकता और उनके पीछे के पैटर्न की समझ है। हम प्रशिक्षकों को छात्रों की मेटाकॉग्निशन विकसित करने में मदद करके उनकी सफलता का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम प्रशिक्षकों को यह मूल्यांकन करने और रिपोर्ट करने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं कि ये रणनीतियाँ उनके छात्रों की उपलब्धि में कितना सुधार कर रही हैं।

संदर्भ

[1] आचार्य, ए., और ओपी, डी.जी. (2014)। भारतीय कॉलेज छात्रों के बीच ब्रांड स्विचिंग पर साथियों के दबाव का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 6(02), 5164–5171।

[2] ऑस्टिन, के., चेउंग, एम., मार्टिन, डी., और एट अल। (2000)। सोचने के बारे में सोचनारू मेटाकॉग्निशन।

[3] ब्राउन, बी.बी. (1982)। हाई स्कूल के छात्रों के बीच साथियों के दबाव की सीमा और प्रभावरू एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। जे. युवा. किशोर. 11, 121–133.

[4] ब्राउन, बी.बी., क्लासेन, डी.आर., और आयशर, एस.ए. (1986)। किशोरों के बीच साथियों के दबाव, साथियों के अनुरूप स्वभाव और स्व–रिपोर्ट किए गए व्यवहार की धारणाएँ। विकासात्मक मनोविज्ञान, 22, 521–530।

[5] डनलोस्की, जे., और मेटकाफ, जे. (2009)। मेटाकॉग्निशन। नई दिल्लीरू सेज प्रकाशन।

[6] फ्लेवेल, जे.एच. (1976)। समस्या समाधान के मेटाकॉग्निटिव पहलू। रेसनिक (सं.) में,

बुद्धि की प्रकृतिरू 231–235

[7] गैरेट, एच. ई. (1961)। मनोविज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकी। पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स।

[8] गुलाटी, एस.(2017)। क्रय व्यवहार पर साथियों के दबाव का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च– ग्रंथालयः, 5(6)।

[9] हरलॉक, ई.बी. (2001)। विकासमूलक मनोविज्ञान। टाटा मैकग्रा–हिल एजुकेशन।

[10] जलील, एस. और प्रेमचंद्रन, पी. (2016)। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की मेटा–संज्ञानात्मक जागरूकता पर एक अध्ययन। यूनिवर्सल जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च 4(1)रू 165–172

[11] कराली, जी. (2015)। कक्षा में मेटाकॉग्निशनरू गणित सीखने वालों की प्रेरणा और आत्म–जागरूकता। (ईजे1060949)।

[12] लोटर रिहार्टिक, मार्टिना और कामेनोव, ज़ेल्ज्का। (2013)। साथियों के दबाव के प्रति संवेदनशीलता और दोस्तों के प्रति लगाव। Psihologija. 46, 111–126.

[13] मंज़ोनी, एम., एल. और लोटार आर., मार्टिना और रिकिजास, एन. (2008)। साथियों के दबाव के प्रति किशोरों की संवेदनशीलता – परिभाषित करने और मापने की चुनौतियाँ। लेजेटोपिस सोसिजलनोग राडा.15,401–419।